INDIAN RAILWAY FINANCE CORPORATION
A NAVRATNA CPSE UNDER MINISTRY OF RAILWAYS
Future on Track

# संदेश

**प्रिय साथियों,**

आप सभी को **"हिन्दी दिवस"** एवं **"हिन्दी पखवाड़ा"** के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला "हिन्दी दिवस" और "हिन्दी पखवाड़ा" हमारे लिए केवल एक वैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि देश की भाषाई विविधता, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर है।

14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया जाना भारत की सामासिक संस्कृति, विविधता और एकात्मकता को एक सूत्र में पिरोने वाला ऐतिहासिक निर्णय था।

भारतीय रेलवे के वित्तीय स्तंभ के रूप में **आईआरएफसी** न केवल देश के रेल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति भी पूर्णतः प्रतिबद्ध है। आईआरएफसी में राजभाषा संबंधी भारत सरकार, गृह मंत्रालय के दिशा–निर्देशों को अक्षरशः एवं भावना के अनुरूप लागू करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुझे यह देखकर प्रसन्नता होती है कि हमारे अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालयीन कार्यों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से हिन्दी का व्यापक प्रयोग कर रहे हैं। विभिन्न कार्यालयीन गतिविधियों में राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। ये प्रयास किसी एक वर्ष या एक पखवाड़े तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पिछले कई वर्षों से निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

इन सतत प्रयासों का परिणाम केवल राजभाषा के प्रति जागरूकता के रूप में ही नहीं, बल्कि हिन्दी के प्रयोग के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास के रूप में भी दिखाई दे रहा है। यह हमारे लिए विशेष रूप से प्रसन्नता का विषय है।

हमारी राजभाषा यात्रा का एक उज्ज्वल उदाहरण हमारी गृह राजभाषा पत्रिका 'उड़ान' है। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है और प्रकाशित रचनाओं की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी अब केवल कार्यालयीन कार्यों की भाषा तक सीमित नहीं, बल्कि हमारी रचनात्मक अभिव्यक्ति और संस्थागत संस्कृति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही है।

यह भी उत्साहजनक है कि प्रत्येक वर्ष अधिक से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी हिन्दी पखवाड़े की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। पिछले वर्षों में राजभाषा के व्यापक प्रसार के लिए हमने जो संकल्प लिए थे, वे अब सार्थक और मूर्त परिणामों में परिवर्तित होते दिखाई दे रहे हैं। यह उपलब्धि सामूहिक प्रयासों और हिन्दी के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है।

आज के डिजिटल एवं तकनीकी युग में हिन्दी में कार्य करना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल और सुविधाजनक हो गया है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को स्वाभाविक व्यवहार का हिस्सा बनाएं।

पिछले वर्षों में हमने राजभाषा के व्यापक प्रसार और हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का जो संकल्प लिया था, वह अब केवल संकल्प नहीं रह गया है, बल्कि हमारे दैनिक कार्य–व्यवहार में एक जीवंत और मूर्त उपलब्धि के रूप में दिखाई दे रहा है। कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का बढ़ता प्रयोग, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी तथा 'उड़ान' जैसी पहल इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। यह उपलब्धि हम सभी के सामूहिक प्रयास, निरंतरता और हिन्दी के प्रति बढ़ते उत्साह का परिणाम है।

अब समय इस उपलब्धि को अगले स्तर तक ले जाने का है। आइए, हम हिन्दी के प्रयोग को केवल पत्राचार एवं कार्यालयीन कार्यों तक सीमित न रखते हुए विचार–विमर्श, प्रस्तुतियों, बैठकों, डिजिटल माध्यमों, तकनीकी एवं वित्तीय विषयों तथा अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न क्षेत्रों में भी और अधिक व्यापक बनाएं। हमने संकल्प को व्यवहार में बदला है; अब इसी व्यवहार को अपनी कार्य–संस्कृति का स्थायी हिस्सा बनाते हुए एक नई ऊंचाई प्रदान करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आईआरएफसी परिवार का यही सामूहिक उत्साह राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को और अधिक सशक्त, सहज एवं व्यापक बनाएगा।

शुभकामनाओं सहित,

मनोज दूबे

(मनोज कुमार दूबे)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड